वर्ष-10//अंक-25// अक्टूबर // 2023
ISSN 2454–5805
RNI NO.: CHHHIN/2013/50684

आम आदमी पत्रिका

एक आम इंसान की सोच

प्रियंका बोली छत्तीसगढ़ की महिलाएं अब सशक्त

बीमार आँख वाले भाजपा नेता पहले अपनी आँखों का कराएं इलाज, बीमार आँखो से नही दिखेगा विकास

भारत ने इस बार एशियन गेम्स में रचा इतिहास, इन खेलों में आए पहली बार मेडल तो हुई ये बड़ी चीजें

23

लग्जरी गाड़ी छोड़ राहुल गांधी ने की ट्रेन की सवारी

19

सैनिकों की शहादत के वक्त बीजेपी मना रही थी जश्न, देश का नाम बदलकर तो देखें

18

छेड़छाड़-रेप के आरोपी को नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी, छत्तीसगढ़ सरकार का आदेश

eyes events & advertising

CREATIVITY IS TAKING A SIMPLE THING AND BRINGING IT TO LIFE

EVENTS | EXHIBITIONS | CORPORATE FILMS | VIDEO COMMERCIAL

Mo. : 97555-23831 www.eyesevents.in Follow us on

वर्ष-10//अंक-25// अक्टूबर // 2023

प्रबंध संपादक	:	उमेश के बंसी
सर्कुलेशन इंचार्ज	:	प्रकाश बंसी
रिपोर्टर	:	नेहा श्रीवास्तव
कंटेंट राईटर	:	प्रशांत पारीक
क्रिएटिव डिजाइनर	:	देवेन्द्र देवांगन
मैग्ज़ीन डिज़ाइनर	:	आइज इवेंट्स
मार्केटिंग मैनेजर	:	किरण नायक
एडमिनिस्ट्रेशन	:	काजल सिंह
अकाउंट असिस्टेंट	:	प्रियंका सिंह
ऑफिस कॉर्डिनेटर	:	योगेन्द्र बिसेन

प्रधान कार्यालय

965/1 कक्कड़ चौक, श्याम नगर रोड, कटोरा तालाब,रायपुर, छत्तीसगढ़

फोन : 0771-4044047

ईल : khabar@aamaadmi.in

कार्यालय

प्लाट नं.118, कंचन बाग, राजनांदगांव

प्रकाशक

उमेश कुमार बंसी, क्वाटर नंबर 10, एम.एम. रियल स्टेट कॉलोनी, अमलीडीह, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं मुद्रित

विशेष- इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिये गए विचार, लेखकों के अपने है। इसमें संपादक / मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संपादक / मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा। इस पत्रिका से संबंधित किसी भी विवाद के लिए सुनवाई क्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा।

अनुक्रमणिका

अक्टूबर 2023

इस अंक में

"भू-पे" में बंद है 36 हजार करोड़ के घोटालों के राज: बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर. पूर्व मंत्री व स्थानीय विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने क्षेत्र में आयोजित 20 लाख रूपए से अधिक के भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रमों से विकास की गंगा बहाई है. उन्होंने आज भाजपा द्वारा जारी किये गए 'भू-पे' एप का जिक्र करते हुए कहा कि इस आप के माध्यम से भूपेश सरकार के घोटालों के बारे में विस्तार से जानकारी मिलेगी. 12

भारतीय बाजार में लॉन्च होंगी ये सस्ती एसयूवी कारे 08

मुंबई. देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री लगातार नए-नए प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग के साथ गुलजार हो रही है. आने वाले दिनों में घरेलू बाजार के अंदर कई नए कार मॉडल पेश किए जाएंगे.

पीएम मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे बदल पाएंगे बीजेपी की तकदीर? 17

रायपुर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बीजेपी की दो 'परिवर्तन यात्राओं' के समापन समारोह में शामिल हुए.

छत्तीसगढ़ में बिना किसी चेहरे के २०२३ का चुनाव लड़ेगी बीजेपी 20

रायपुर. भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति में बदलाव किया है. चुनावी राज्यों में भाजपा मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए बिना ही चुनाव लड़ने की प्लानिंग में दिख रही है.

कटघोरा सीट पर कांग्रेस का दबदबा, क्या BJP को यहां पर मिलेगी जीत? 24

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की अपनी खास राजनीतिक पहचान है. कटघोरा विधानसभा सीट पर अभी कांग्रेस का कब्जा है.

5 राज्यों की चुनावी तारीखें : छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर को मतदान, नतीजे 3 दिसंबर को 30

रायपुर. इस साल के अंत में पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है. पांचों राज्यों में 7 से 30 नवंबर तक विधानसभा चुनाव होंगे.

बुजुर्ग मतदाता घर से डाल सकेंगे वोट-EC 33

पांचों राज्यों - मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, राजस्थान और मिजोरम - में कुल मिलाकर 1.77 लाख पोलिंग स्टेशन होंगे.

तो ये हैं अंतिम मुकाबला...

उमेश के बंसी
(प्रबंध संपादक)

सोमवार को चुनावी बिगुल तो पांच राज्यों की विधानसभा के लिए बजा, लेकिन हलचल राष्ट्रीय राजनीति में भी तेज हो गई. घोषित की गई तिथियों के मुताबिक, अगले माह राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होंगे, जिनके नतीजों का एलान दिसंबर के पहले हफ्ते में कर दिया जाएगा. चूंकि ये चुनाव परिणाम लोकसभा चुनाव के लिए हवा बनाने-बिगाड़ने में सक्षम हो सकते हैं, इसलिए क्षेत्रीय पार्टियों के साथ-साथ राष्ट्रीय पार्टियां भी अपने-अपने तरकश सजाने लगी हैं.

कुछ राजनीतिक पंडित मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनावों को 2024 का 'सेमीफाइनल' मान रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि जो इन मुकाबलों को जीतेगा, लोकसभा चुनाव का ताज उसी के सिर बंधेगा. मगर ऐसा करते हुए वे शायद 2003 और 2018 के विधानसभा चुनावों को भूल जाते हैं. 2003 के चुनावों में छत्तीसगढ़ में रमन सिंह, तो मध्य प्रदेश में उमा भारती ने दिग्विजय सिंह से सत्ता छीन ली थी, जबकि 2000 में हुए राज्य बंटवारे के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव था. इसी तरह, राजस्थान में कांग्रेस के अशोक गहलोत को पटखनी देते हुए वसुंधरा राजे ने राज्य में भागवा पचरम लहराया था. मगर अगले ही साल 2004 में मतदाताओं ने केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को किनारे करके कांग्रेस की अगुवाई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) को बहुमत दे दिया.

साल 2018 भी ठीक इसी तरह के इतिहास का गवाह बना, जब छत्तीसगढ़ में रमन सिंह की सरकार को कांग्रेसी दिग्गज भूपेश बघेल, शिवराज सिंह चौहान की भगवा सरकार को कमलनाथ और वसुंधरा राजे सरकार को अशोक गहलोत हराने में सफल तो रहे, लेकिन 2019 के आम चुनाव में इन राज्यों की लगभग शत-प्रतिशत सीटें भारतीय जनता पार्टी की झोली में चली गईं. यह संकेत है कि विधानसभा और लोकसभा चुनावों की बीच का फर्क मतदाता समझने लगे हैं. तो सवाल यह कि क्या नवंबर में होने जा रहे विधानसभा चुनावों का कोई महत्व नहीं है?

निस्संदेह, ये चुनाव महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि 2024 के चुनावी समर से पहले 'इंडिया' और 'एनडीए' का यह आखिरी टकराव है. ये चुनाव पार्टी के पक्ष में जनता का मूड बनाने, उन्हें अपनी ताकत दिखाने और कार्यकर्ताओं के भीतर जोश भरने में मददगार होंगे. खासकर, कांग्रेस के लिए इसकी अहमियत ज्यादा है, क्योंकि पांचों राज्यों में वह सीधे मुकाबले में उतर रही है. राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जहां वह अपनी सरकार बचाने का प्रयास करेगी, तो मध्य प्रदेश में सत्ता जीतने का. तेलंगाना में वह सत्तारूढ़ बीआरएस को, तो मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट को सीधी चुनौती दे रही है. रही बात भाजपा की, तो वह हिंदी पट्टी में तो मुकाबले में है, पर पूर्वोत्तर और दक्षिण में पिछड़ती दिख रही है.

भाजपा की रणनीति इस बार काफी दिलचस्प दिख रही है. वह ऐसी पार्टी है, जिसने विधानसभा चुनाव से पूर्व मुख्यमंत्री का चेहरा पेश करने की परंपरा स्थापित की है. 2003 से ही वह ऐसा करते आ रही है, जो काफी सफल रणनीति मानी गई है. इसके बरअक्स, कांग्रेस में हाईकमान की पसंद को बतौर मुख्यमंत्री राज्यों में भेजा जाता रहा है. मगर इस बार ठीक उल्टा हो रहा है. कांग्रेस के पास मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मुख्यमंत्री का चेहरा है, जबकि भाजपा बिना किसी चेहरे के इन चुनावों में उतर रही है. एक और काम किया है उसने. उसने इस बार केंद्र से मंत्रियों को वापस उनके प्रदेश में भेजा है, ताकि चुनावी माहौल अपने पक्ष में किया जा सके. यह रणनीति इसलिए भी बनाई गई है, क्योंकि इन तीनों सूबों में पार्टी के भीतर काफी तनातनी है. दिल्ली से भेजे गए वरिष्ठ नेता राज्यों में पार्टी को एकजुट रखने का प्रयास करेंगे. मगर बाहरी नेताओं की आमद से स्थानीय नेता निष्क्रिय भी हो सकते हैं. यह भी एक वजह है कि हिंदी पट्टी के इन राज्यों में कई नेता भाजपा का दामन छोड़कर कांग्रेस का हाथ थाम चुके हैं.

लग यह भी रहा है कि भाजपा लोकसभा चुनाव में जीत के लिए विधानसभा चुनावों में जोखिम लेने को तैयार है. शिवराज सिंह चौहान का अभियान देखिए, तो ऐसा लगता है, मानो वह विदाई-रुदन कर रहे हैं. राजस्थान में भी वसुंधरा राजे एक लोकप्रिय नेता हैं, लेकिन उनको किनारे कर दिया गया है. यह बताता है कि भाजपा अब इन राज्यों में ऐसा नेतृत्व चाहती है, जिसमें नई ऊर्जा हो और जो उसे आम चुनाव में फायदा दिला सके. कर्नाटक चुनाव से उसने यह रणनीति बनाई है, जहां उसने येदियुरप्पा को आगे नहीं किया था. बेशक शिवराज सिंह चौहान और रमन सिंह को इस बार टिकट दिया गया है, लेकिन भाजपा का लक्ष्य आम चुनाव ही लग रहा है.

तेलंगाना में भी काफी दिलचस्प मुकाबला होने जा रहा है. वहां पहले लग रहा था कि भाजपा मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में उभर रही है. स्थानीय चुनावों में भी उसने काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और बीआरएस को चुनौती दी थी. मगर कर्नाटक चुनाव में हार के बाद यहां कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनने लगा और अब तो ऐसा लग रहा है कि भाजपा बनाम बीआरएस के बजाय कांग्रेस बनाम बीआरएस मुकाबला होगा, और भाजपा नंबर तीन की हैसियत से चुनाव में उतरेगी.

रही बात मिजोरम की, तो मणिपुर की अस्थिरता यहां के चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकती है. पिछले तीन-चार महीनों से मणिपुर में हिंसा हो रही है और यहां की जनभावना केंद्र सरकार के खिलाफ है. मिजोरम में सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट, जो भाजपा की सहयोगी थी, अब उससे अलग लड़ने का एलान किया है. यहां का सामाजिक समीकरण उसे भाजपा के साथ जाने से रोक रहा है. इन सबसे कांग्रेस खुश हो रही होगी, क्योंकि इसका फायदा उसे हो सकता है.

साफ है, इन पांचों प्रदेशों में भाजपा बैकफुट पर, तो कांग्रेस फ्रंटफुट पर खेल रही है. इन चुनावों में कांग्रेस अगर मजबूती से उभरती है, तो लोकसभा चुनाव भी वह जीत जाएगी, ऐसा तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन यहां की जीत उसके लिए ऐसा खुराक साबित हो सकती है, जिसका उसे आम चुनाव में लाभ मिलेगा. इस जीत से उसके पक्ष में न सिर्फ हवा बननी शुरू हो सकती है, बल्कि 'इंडिया' के अंदर भी वह कहीं बेहतर मोलभाव कर सकेगी. कांग्रेस को मिलने वाली यह ऊर्जा 2024 के मुकाबले को रोचक बना सकती है, जिसे कभी भाजपा के पक्ष में एकतरफा माना जा रहा था.

देश के करोड़ों लोगों के लिए अच्छी खबर है. केंद्र सरकार जल्द ही बेघर शहरी लोगों को होम लोन पर ब्याज में छूट देगी. केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार जल्द ही होम लोन पर ब्याज छूट योजना शुरू करेगी. हम गृह सहायता योजना के विवरण को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं. इसे जल्द ही लागू किया जाएगा.

जल्द मिलेगी होम लोन पर 9 लाख तक की सबसिडी

15 अगस्त को पीएम ने की थी घोषणा

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री की बातों को दोहराते हुए कहा कि यह एक बड़ी योजना होगी, जो ब्याज में छूट देगी. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में इस योजना की घोषणा की थी.

कहा कि उनकी सरकार नई होम लोन योजना ला रही है, जिससे शहरों में रहने वाले वंचित लोगों को फायदा होगा. इस श्रेणी में उन लोगों को अधिक लाभ मिलेगा जो किराए के मकानों, झुग्गी-झोपड़ियों और अनधिकृत कॉलोनियों में रहते हैं. पीएम मोदी ने कहा था कि अगर वे अपना घर बनाना चाहते हैं तो हम उन्हें बैंकों से ब्याज दरों और कर्ज में राहत देकर मदद करेंगे, जिससे उन्हें लाखों रुपये बचाने में मदद मिलेगी.

ऐसी है सरकार की प्लानिंग

- सरकार सस्ते होम लोन के लिए 60 हजार करोड़ रुपये खर्च करने को तैयार है.
- अगले कुछ हफ्तों में इस योजना का खाका देश के सामने आ सकता है.
- इससे शहरी इलाकों में रहने वाले 25 लाख मध्यम वर्ग के लोगों को फायदा होगा.
- इस योजना के तहत सरकार होम लोन के ब्याज पर 9 लाख रुपये की सब्सिडी देगी.

तेल की बढ़ती कीमतों पर बोले पुरी - भारत में है कमी

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और खुदरा क्षेत्र पर इसके संभावित प्रभाव पर भी चर्चा की. उन्होंने कहा कि अमेरिका में कच्चे तेल की कीमतें 40 से 50 फीसदी तक बढ़ गई हैं. लेकिन भारत में इसमें 5 प्रतिशत की गिरावट आई. ऐसा प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गए निर्णायक कदमों के कारण हुआ. भारत ने दो मौकों पर उत्पाद शुल्क कम किया. मैं आपको केवल यह आश्वासन दे सकता हूं कि मुझे आशा है कि उत्पादक देशों में मेरे मित्र इसकी योग्यता देखेंगे.

बंगाल में डीजल-पेट्रोल की कीमतों पर निशाना

केंद्रीय मंत्री ने ईंधन की कीमतें भाजपा शासित राज्यों की तुलना में अधिक रखने के लिए गैर-भाजपा राज्यों, खासकर तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली पश्चिम बंगाल सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने पूछा कि पश्चिम बंगाल जैसे गैर-भाजपा शासित राज्यों में पेट्रोल की कीमत भाजपा शासित राज्यों की तुलना में 11.80 रुपये अधिक क्यों है? यही असली सवाल है. पुरी ने कहा, हमारे पास ऐसी स्थिति नहीं हो सकती जहां केंद्र सरकार उत्पाद शुल्क कम करे और भाजपा शासित राज्य वैट कम करें और गैर-भाजपा राज्य इस पर कार्रवाई न करें.

भारतीय बाजार में लॉन्च होंगी ये सस्ती एसयूवी कारे

मुंबई. देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री लगातार नए-नए प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग के साथ गुलजार हो रही है. आने वाले दिनों में घरेलू बाजार के अंदर कई नए कार मॉडल पेश किए जाएंगे. अपने इस लेख में हम आपके लिए टॉप-3 अफोर्डेबल कारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हे निकट भविष्य में पेश किया जाना है. हमारी इस लिस्ट में एक EV भी शामिल है. आइए, इनके बारे में जान लेते हैं.

Tata Punch EV

टाटा पंच ईवी 2023 के त्योहारी सीजन के दौरान, संभावित रूप से अक्तूबर या नवंबर में लॉन्च होने वाली है. यह इलेक्ट्रिक माइक्रो एसयूवी टाटा के जेनरेशन-2 ईवी प्लेटफॉर्म पर बनाई गई है और इसमें दो बैटरी पैक विकल्प और विभिन्न चार्जिंग सॉल्यूशन पेश किए जाने की उम्मीद है.

इसमें सेंटर में इल्यूमिनेटेड लोगो के साथ टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील, एक बड़ा 12.3-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम होगी, जो कि मिड-लेवल वैरिएंट में 10.25-इंच यूनिट हो सकती है. यह भारत में सनरूफ के साथ आने सबसे सस्ती कारों में से एक हो सकती है.

Hyundai Exter EV

हुंडई एक्सटर ईवी की भी टेस्टिंग शुरुआती चरण में है और इसके 2024 में लॉन्च होने की उम्मीद है. यह इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में सीधे टाटा पंच ईवी के साथ होगा. रिपोर्टों से पता चलता है कि एक्सटर ईवी 25kWh से 30kWh तक का बैटरी पैक मिल सकता है, जो एक बार चार्ज करने पर लगभग 300 से 350 किमी की रेंज प्रदान कर सकती है. इलेक्ट्रिक माइक्रो एसयूवी में कुछ कॉस्मेटिक बदलाव होने की उम्मीद है, जबकि इंटीरियर लेआउट और स्पेसिफिकेशन आईसीई एक्सटर से काफी मिलती-जुलती होंगी.

Toyota Taisor

टोयोटा टैसर अगले कुछ महीनों में माइक्रो एसयूवी सेगमेंट में डेब्यू करने के लिए तैयार है. मारुति सुजुकी फ्रोंक्स पर आधारित, इसमें टोयोटा की ग्रिल और संशोधित बंपर जैसे कॉस्मेटिक अंतर होंगे. फीचर्स लिस्ट फ्रोंक्स के जैसी ही होगी, जिसमें वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ 9-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ओटीए अपडेट, वॉयस असिस्टेंट क्षमताएं, 6-स्पीकर साउंड सिस्टम, रियरव्यू कैमरा, फास्ट यूएसबी चार्जिंग स्लॉट और 6 एयरबैग जैसे सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं. इसमें वही 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड और 1.0-लीटर बूस्टरजेट पेट्रोल इंजन के साथ मैनुअल और AMT गियरबॉक्स ऑप्शंस मिलेगा.

New Gen Hyundai Venue

अगली पीढ़ी की Hyundai Venue को कॉस्मेटिक और फीचर अपग्रेड मिलने की उम्मीद है. कोडनेम प्रोजेक्ट Q2Xi के साथ ये कंपनी की तालेगांव फैसिलिटी में निर्मित पहला हुंडई मॉडल होगा. हालांकि कंपनी की ओर से 2025 Hyundai Venue को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है.

चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ को लेकर बीजेपी का मास्टर प्लान

रायपुरः छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं. राज्य में बीजेपी परिवर्तन यात्रा के बाद अब राष्ट्रीय स्तर के बड़े नेता राज्य का दौरा कर पार्टी के पक्ष में प्रचार करेंगे. पीएम मोदी राज्य में कई सभाएं कर चुके हैं. गृहमंत्री अमित शाह भी लगातार दौरे कर रहे हैं. सूत्रों के अनुसार, अब उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ छत्तीसगढ़ में 5 से 6 रैलियां कर सकते हैं. योगी आदित्यनाथ बस्तर और सरगुजा संभाग में फोकस करेंगे.

बस्तर और सरगुजा राज्य के आदिवासी बाहुल्य इलाके हैं. कहा जा रहा है कि आदिवासी वोटर्स को साधने के लिए बीजेपी ने पार्टी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ को खास जिम्मेदारी दी है. योगी आदित्यनाथ आने वाले दिनों में इन इलाकों में पांच से छह रैलियां कर सकते हैं.

योगी की सभा करने का क्या है फोकस

बीजेपी की रणनीति के अनुसार, बस्तर और सरगुजा संभाग में नाथ संप्रदाय को मानने वाली आदिवासियों की संख्या अधिक है. योगी आदित्यनाथ, यूपी के सीएम होने के साथ-साथ गोरखपुर मठ के महंत हैं. ऐसे में बीजेपी का फोकस है कि योगी आदित्यनाथ के सहारे आदिवासी वोटर्स को अपने पाले में लाया जा सकता है. हालांकि योगी की सभा इन इलाकों में कब होगी इसकी डेट फाइनल नहीं की गई है. छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में बीजेपी का फोकस सबसे ज्यादा आदिवासी और दलित वोटर्स को साधने में है.

बिलासपुर में पीएम की थी सभा

शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिलासपुर में रैली को संबोधित किया. पीएम मोदी की तीन महीने में ये छत्तीसगढ़ का तीसरा दौरा था. पीएम ने अपनी सभा में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा. पीएम मोदी के अलावा कई केन्द्रीय मंत्री बीजेपी की परिवर्तन यात्रा में शामिल हो चुके हैं. अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है.

राज्य में इसी साल होने हैं विधानसभा चुनाव

छत्तीसगढ़ में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं. विधानसभा चुनाव को देखते बीजेपी ने उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट जारी कर दी है. इस लिस्ट में 21 नाम हैं. वहीं, कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती है सत्ता को बचाए रखना.

अनुष्का शर्मा दोबारा बनने वाली हैं मां

मुंबई. अनुष्का शर्मा और विराट कोहली को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है. कहा जा रहा है कि बॉलीवुड की यह सुपरस्टार एक बार फिर से मां बनने वाली है. इस खबर के सामने आने के बाद फैंस की खुशी चरम पर है. सोशल मीडिया में यह खबर आग की तरह वायरल हो रही है और कहा जा रहा है कि वामिका के बाद अब कपल दूसरे बच्चे के इंतजार में है. हाल ही में कपल को एक मैटरनिटी क्लीनिक के पास देखा गया था. बस उसके बाद से ही यह खबर हवा की तरह फैलने लगी. लोग यह कयास लगाने लगे की अनुष्का शर्मा दोबारा मां बनने वाली है. हालांकि कपल ने इस पर अभी तक चुप्पी नहीं तोड़ी है आपको बता दे कि इसके पहले वामिका के समय भी कपल ने आखिरी मूवमेंट में ही यह खबर फैंस को दी थी.

अब लोगों को उस समय का इंतजार है जब कपल इस बात पर खुद रिएक्ट करेंगे मैटरनिटी क्लीनिक में स्पॉट किया जाने के दौरान पेपराजी ने उन्हें कमरे में कैद किया था लेकिन अनुष्का और विराट ने सभी से इस फोटो को वायरल ना करने की रिक्वेस्ट की थी. यही कारण है कि यह फोटो वायरल नहीं हुई लेकिन अब खबर उड़ने लगी है. कपल ने लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद साल 2017 में धूमधाम से शादी की थी. कपल ने शादी के चार साल बाद एक बेटी का स्वागत किया था, जिसका नाम वामिका कोहली है.

''भू-पे'' में बंद है 36 हजार करोड़ के घोटालों के राजः बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर. भूपेश सरकार ने सिर्फ किसानों का वोट लेकर उन्हें बदले में घोटाले की सरकार दी है. इस सरकार ने विकास योजनाओ के नाम पर सिर्फ रिश्वतखोरी करके जनता को लूटने का काम किया है. पूर्व मंत्री व स्थानीय विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने क्षेत्र में आयोजित 20 लाख रूपए से अधिक के भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रमों से विकास की गंगा बहाई है. उन्होंने आज भाजपा द्वारा जारी किये गए 'भू-पे' एप का जिक्र करते हुए कहा कि इस आप के माध्यम से भूपेश सरकार के घोटालों के बारे में विस्तार से जानकारी मिलेगी. इस एप में इस भ्रष्टाचारी सरकार के काले कारनामों का चिटठा फीड किया है. इस एप के सभी को इनकी नियत के बारे में पता चल जायेगा कि इनकी सरकार में शराब घोटाला, पीएससी घोटाला, अनाज घोटाला, गौठान घोटाला जैसे 36000 करोड़ रूपए के घोटाले किये हैं. इसका कमीशन खोरी का पैसा ष्भू-पेष में कैश के जरिये इनकी जेब में जाता था.

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि जब छत्तीसगढ़ की सरकार घोटाले कर छत्तीसगढ़ को खोखला कर रही थी तब मोदी जी की सरकार ने देश के 4 करोड़ गरीबों का घर बनाया, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया और भी कई जनकल्याणकारी काम किया.

बॉक्स ....

20 लाख रुपए की विकास योजनाओं की मिली सौगात

विकास कार्यों की श्रंखला में आज कमासी पारा सदर बाजार में 10 लाख रुपए से निर्मित सामुदायिक भवन का उद्घाटन किया. इसमें पार्षद सीमा कंदोई, महिला मोर्चा की अध्यक्ष सुमन मूथा, सुनील, आर डी बघेल, विजय तिवारी, पूनम नीलू बघेल, विमला आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे.

वहीं 5 लाख रुपए से देवांगन समाज लाखे नगर खो-खो तालाब के परमेश्वरी भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया. इसके पहले भी 5 लाख रुपए से टाइल्स लगवाने का कार्य किया था. खो-खो के आसपास तालाब का निर्माण, हनुमान तालाब, पहाड़ी तालाब का निर्माण भी पहले विधायक निधि से करवाया जा चूका है. यहाँ संतोष देवांगन जी, पार्षद मृत्युंजय दुबे, मेघनाथ, धीरेंद्र देवांगन, उत्तम देवांगन, पद्मिनी, यशोदा आदि लोग मौजूद रहे.

श्री रामनगर चंगोरा भाठा में कुर्मी समाज के सामुदायिक भवन का 5 लाख रुपए की निधि से बनाने वाले भवन का भूमि पूजन किया. पूर्व पार्षद यादराम शर्मा, ईश्वर, राम खिलावन, सहदेव चंद्राकर, पूरन पटेल, अजय ठाकुर आदि लोग मौजूद रहे.

टिकरापारा, दूधाधारी मठ, अंबेमंदिर समेत कुल 6 नई हाई मास्क सोलर फ्लड लाईट्स के निर्माण कार्य का पूजन किया. यहां सचिव श्रवण, मुग्दा, रोशनी, रूपाली, सलीम, बबीता आदि लोग मौजूद रहे.

मुंबई. भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वीइकल सुपरस्टोर चेन इलेक्ट्रिक वन ने भारतीय बाजार में अपनी पहली इलेक्ट्रिक स्कूटर सीरीज लॉन्च की है और इसमें ई1 ऐस्ट्रो प्रो और ई1 ऐस्ट्रो प्रो 10 जैसे स्कूटर हैं. इस हाई-परफॉर्मेंस इलेक्ट्रिक स्कूटर को रेड बैरी, ब्लेज ऑरेंज, ऐलीगेंट वाइट, मैटेलिक ग्रे और रेसिंग ग्रीन जैसे कलर ऑप्शंस में पेश किया गया है. इलेक्ट्रिक वन के इन स्कूटर्स की कीमतों की बात करें तो ई1 ऐस्ट्रो प्रो की प्राइस 99,999 रुपये और ई1 ऐस्ट्रो प्रो 10 की प्राइस 1,24,999 रुपये (आरटीओ रजिस्ट्रेशन) तक हैं. इन स्कूटर्स की बिक्री 20 से ज्यादा देशों में होती हैं और इनके एक लाख से ज्यादा ग्राहक हैं.

सिंगल चार्ज में 200 किलोमीटर चलने वाले Electric One E1 Astro Pro सीरीज के इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च

E1 Astro Series EV: फुल चार्ज पर 100-200 किमी रेंज का दावा

ईवन ऐस्ट्रो प्रो सीरीज के दोनों ई-स्कूटर ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हैं. इनमें 2400 वाट का मोटर दिया गया है. कंपनी का दावा है कि ईवन ऐस्ट्रो प्रो स्कूटर सिर्फ 2.99 सेकेंड में 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है. इसे अधिकतम 65 किलोमीटर प्रति घंटे रफ्तार से दौड़ाया जा सकता है. कंपनी का दावा है कि E1 ASTRO PRO वेरिएंट फुल चार्ज पर 100 किलोमीटर रेंज देने में सक्षम है. मतलब यह इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंगल चार्ज पर 100 किमी चलेगा.

वहीं E1 ASTRO PRO 10 वेरिएंट एक बार फुल चार्ज होने पर 120 किमी रेंज देने का दावा करता है. कंपनी का दावा है कि एडवेंचर एस बैटरी (Adventure S Battery) के साथ E1 ASTRO PRO 10 वेरिएंट सिंगल चार्ज पर 200 किमी चलेगा. कंपनी के मुताबिक ईवन ऐस्ट्रो प्रो सीरीज ई-स्कूटर में बैटरी को फुल चार्ज करने में 3 से 4 घंटे का वक्त लगेगा. E1 ASTRO PRO के बैटरी को चार्ज करने के लिए 72V 8 AMP चार्जर का सपोर्ट मिलता है. वहीं E1 ASTRO PRO 10 वेरिएंट को चार्ज करने के लिए 72V 10 AMP चार्जर का सपोर्ट दिया गया है.

फिचर्स

इन स्कूटर को कंपनी 5 कलर ऑप्शंस में ऑफर कर रही है. इसमें रैड बैरी, ब्लेज ऑरेंज, ऐलीगेंट वाइट, मैटेलिक ग्रे और रेसिंग ग्रीन कलर शामिल है. इनके दूसरे फीचर्स की बात करें तो इसमें स्मार्ट डिस्प्ले मिलता है. स्कूटर में कार्बन कोटिंग रस फ्री फ्रेम दी है. इनके एलाय व्हील के साथ फ्रंट और रियर में डिस्क ब्रेक मिलते हैं. इसमें हेडलैम्प LED हैं. इनमें LED DRLs भी मिलते हैं. दोनों स्कूटर में रिमोट लॉक-अनलॉक मिलता है. चोरी से बचाने के लिए इसमें एंटीथेप्ट अलार्म बी दिया है.

कंपनी इन इलेक्ट्रिक स्कूटर को अभी गुजरात, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और असम में सेल करेगी. आने वाले समय में कंपनी 20 और शहरों में अपना विस्तार करने जा रही है. अभी देश के अंदर 80 शहरों में 100 से ज्यादा आउटलेट और सर्विस सेंटर हैं. भारत के साथ ही कंपनी श्रीलंका और नेपाल में भी अपने शोरूम खोलने जा रही है. फिलहाल कंपनी जर्मनी, आस्ट्रिया, नीदरलैंड्स, स्पेन, इटली, तुर्कि और इंडोनेशिया में अपने स्कूटर बेचती है. इलेक्ट्रिक वन एनर्जी के फाउंडर और ब्ब अमित दास ने कहा कि कंपनी ने मानेसर गुरुग्राम में इन-हाउस मैन्युफैक्चरिंग सैटअप और दुनिया के टॉप सप्लायरों के साथ पार्टनरशिप की है.

शेयर बाजार में जल्द रॉकेट बन सकता है ये शेयर

शेयर बाजार में पिछले कुछ दिनों में काफी अप एंड डाउन के दौर के बीच जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में एक फीसदी की कमजोरी दर्ज की जा रही थी और ये 225 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे. जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर करीब 1.43 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ यह 267 रुपये है जबकि 52 हफ्ते का निचला स्तर 203 रुपये है. जियो फाइनेंशियल के शेयरों में पिछले कुछ दिनों से कमजोरी दिख रही है और पिछले एक महीने में इस जेएफएस शेयर ने शानदार प्रदर्शन किया है. निवेशकों को दो फीसदी का रिटर्न.

सोमवार, 28 अगस्त को जियो फाइनेंशियल के शेयर अपने सबसे निचले स्तर 211 रुपये पर आ गए थे. जियो फाइनेंशियल के शेयर पिछले महीने 21 अगस्त से ही निवेशकों के रडार पर हैं. शुरुआती कारोबार में जियो फाइनेंशियल के शेयरों पर बिकवाली का दबाव देखा गया और ये 203 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गये.

जियो फाइनेंशियल के शेयर फिलहाल अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर से करीब 12 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहे हैं. कई स्टॉक एक्सपर्ट्स का कहना है कि जियो फाइनेंशियल के शेयरों में आपको जल्द ही 30 फीसदी तक का रिटर्न मिल सकता है और जियो फाइनेंशियल के शेयर ₹300 के लक्ष्य को छू सकते हैं.

शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि लंबी अवधि में जियो फाइनेंशियल के शेयर मल्टीबैगर साबित हो सकते हैं. जियो फाइनेंशियल बीमा, म्यूचुअल फंड और अन्य सेगमेंट में परिचालन शुरू करने की योजना बना रही है, जिससे इसके शेयरों में अच्छी खासी बढ़त देखने को मिल सकती है.

शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि जियो फाइनेंस के शेयर ₹300 के स्तर पर खरीदे जा सकते हैं. जियो फाइनेंशियल के शेयर अगले 6 महीने में ₹300 के लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं.

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को पहले रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था. यह जुलाई में रिलायंस इंडस्ट्रीज से अलग हो गया. 20 जुलाई को विशेष मूल्य खोज सत्र में, Jio फाइनेंशियल शेयरों की प्री-लिस्टिंग कीमत 261.5 रुपये तय की गई थी. इसके बाद सोमवार 21 अगस्त को जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर एनएसई और बीएसई में लिस्ट हुए.

शेयर बाजार में लिस्टिंग के साथ ही जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में पांच फीसदी की कमजोरी देखी गई. जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में सर्किट लिमिट 5 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दी गई है. यह सर्किट लिमिट सोमवार 4 सितंबर से जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों पर लागू हो गई है.

छत्तीसगढ़ चुनावः तीन महीने में तीन रैली!
पीएम मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे बदल पाएंगे बीजेपी की तकदीर?

"रायपुर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बीजेपी की दो 'परिवर्तन यात्राओं' के समापन समारोह में शामिल हुए. चुनावी सीजन में वैसे तो सभी पार्टियां प्रचार में तेजी ला रही हैं, लेकिन बीजेपी इस मामले में थोड़ा अलग है. छत्तीसगढ़ में प्रचार के मामले में वह बहुत हद तक पीएम मोदी की रैलियों पर निर्भर है. बीजेपी मध्य प्रदेश में अपनी जमीन बनाने के लिए पूरी कोशिश कर रही है. प्रत्याशियों की हालिया लिस्ट में केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों के नाम से सभी चुनावी राज्यों में हलचल मची हुई है. ऐसे में छत्तीसगढ़ में भी पार्टी ऐसा प्रयोग कर सकती है."

छत्तीसगढ़ में भी एमपी वाला फार्मूला लागू कर सकती है बीजेपी, नड्डा और अमित शाह की बैठक में लिया गया अहम फैसला छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की आबादी लगभग 47% है. ऐसे में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कद और कांग्रेस द्वारा जाति जनगणना के मुद्दे पर भाजपा इसे बेअसर करने के तरीके खोज रही है. छत्तीसगढ़ के पांच प्रशासनिक संभागों - रायपुर, दुर्ग, सरगुजा, बिलासपुर और बस्तर में - बिलासपुर में विधानसभा सीटों की संख्या सबसे अधिक 24 है.

इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में, कांग्रेस सरकार को कई घोटालों आरोपों का सामना करना पड़ा है. सरकार पर 2,161 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से लेकर कोयला-लेवी घोटाले तक का आरोप लग चुका है. जुलाई में रायपुर की एक रैली में पीएम मोदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ को अपना एटीएम मानती है.

छेड़छाड़-रेप के आरोपी को नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी, छत्तीसगढ़ सरकार का आदेश

रायपुर. छत्तीसगढ़ सरकार ने सोमवार को एक आदेश जारी किया है. इसमें कहा है कि रेप, छेड़छाड़ और कुछ अन्य अपराधों के आरोपियों को राज्य में सरकारी नौकरियों में नियुक्त करने पर रोक लगा दी गई है. इसकी जानकारी एक अधिकारी ने दी है. उन्होंने बताया कि यह आदेश राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी राजस्व प्रभागों के अध्यक्षों, विभागों के प्रमुखों, राजस्व प्रभागों के आयुक्तों और कलेक्टरों को जारी किया गया. जिन्हें निर्देश को सख्ती से लागू करने के लिए कहा गया है.

दरअसल, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में कहा था कि महिलाओं और लड़कियों से रेप, छेड़छाड़ और अन्य अपराधों के मामलों में आरोपियों पर राज्य में सरकारी नौकरियों में रोक लगाई जाएगी. कोई भी उम्मीदवार किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा. साथ ही जिसे महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए दोषी ठहराया गया हो.

मौजूदा नियम और नया नियम एक जैसा

इसके अलावा किसी उम्मीदवार के खिलाफ अदालत में अपराध के मामले लंबित हों, उसकी नियुक्ति का मामला अंतिम निर्णय होने तक लंबित रखा जाएगा. यह आदेश छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (सेवा की सामान्य शर्तें) नियम 1961 का हवाला देते हुए दिया गया है. आदेश पर टिप्पणी करते हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के वकील अनीश तिवारी ने कहा कि मौजूदा नियम और नया नियम एक जैसा प्रतीत होता है.

सिविल सेवा नियम के तहत पहले से है प्रावधान

तिवारी ने आगे कहा कि सिविल सेवा नियम के तहत पहले से ही प्रावधान है कि अगर रेप और छेड़छाड़ से जुड़ा कोई मामला अदालत में लंबित है, तो उस व्यक्ति की सरकारी नौकरी में नियुक्ति मामले के अंतिम निपटान तक लंबित रखी जाएगी.

सैनिकों की शहादत के वक्त बीजेपी मना रही थी जश्न, देश का नाम बदलकर तो देखें

जगदलपुर की रैली में केंद्र पर बरसे केजरीवाल

रायपुर. छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश समेत देश के पांच राज्यों में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गईं हैं. शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजग अरविंद केजरीवाल ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बीजेपी पर जमकर हमला बोला. भाषण की शुरुआत करते हुए केजरीवाल ने कहा पूरा देश जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में सैनिकों की शहादत पर दुखी है, लेकिन ज्यादा दुख इस बात का है कि जिस वक्त हमारे सैनिक शहीद हुए उस वक्त दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय में जश्न मनाया जा रहा था.

केजरीवाल ने कहा, हम मान सकते हैं कि जब जश्न मनाना शुरू हुआ तब मुठभेड़ नहीं हुई होगी, लेकिन उसी दौरान खबर आई. प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री तीनों वहां जश्न मना रह थे. क्या जश्न को रोका नहीं जाना चाहिए था? क्या जश्न मनाना सही था? पूरे देश को दुख हुआ.

हमारा पहला दु:ख है कि चार आर्मी जवान शहीद हुए, लेकिन दूसरा दु:ख है कि जब वे शहीद हुए उस वक्त हमारे प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री जश्न मना रह थे, तीसरा दुख है कि आज चार दिन बाद भी प्रधानमंत्री उनके लिए दो शब्द नहीं बोले, एक ट्वीट नहीं किया. हर चीज पर ट्वीट करने वाले पीएम और गृह मंत्री नहीं बोले, क्या मजबूरी है इनकी?

'विपक्ष के इंडिया नाम से घबराई बीजेपी'

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कुछ दिन पहले 28 विपक्षी पार्टियों ने एक गठबंधन बनाया. उसका नाम रखा इंडिया रखा. इससे भाजपा वाले इतने बौखला गए कि बोले अब देश का नाम बदलेंगे. क्या इंडिया तुम्हारे पिताजी का है, 140 करोड़ लोगों का है इंडिया, 140 करोड़ लोगों का है भारत.

केजरीवाल का बीजेपी को खुला चैलेंज

उन्होंने कहा, मैं बीजेपी वालों को चौलेंज देता हूं कि वे देश का नाम बदलकर दिखाओ. पिछले साल तक ये प्रोग्राम चलाते थे, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और जब विपक्ष ने अपना नाम इंडिया रख लिया तो कहते हैं कि नाम बदलेंगे. अगर अगली मीटिंग में हमने अपने गठबंधन का नाम भारत रख लिया, तो क्या ये भारत का नाम बदलेंगे?

दावेदार कई, लेकिन छत्तीसगढ़ में बिना किसी चेहरे के 2023 का चुनाव लड़ेगी बीजेपी

रायपुर. भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति में बदलाव किया है. चुनावी राज्यों में भाजपा मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किए बिना ही चुनाव लड़ने की प्लानिंग में दिख रही है. छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां भी सामूहिक नेतृत्व का ही फार्मूला भाजपा के काम आ सकता है, क्योंकि 2018 से भाजपा सबक लेना चाहेगी. मतलब भाजपा पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के 15 वर्षों के कार्यों को लेकर जनता के पास तो जाएगी लेकिन चेहरा सामूहिक नेतृत्व पर ही फोकस होगा.

पिछली बार 15 सीटों पर सिमट गई थी बीजेपी

पिछली बार मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के चेहरे पर पार्टी ने दांव खेला था, जिसमें पार्टी को कोई फायदा नहीं मिला था, बल्कि जो परिणाम आए वह बेहद चौंकाने वाले थे. भाजपा 15 सीटों पर सिमट गई थी. भाजपा उनके नेतृत्व या कहें उनके हाथों में नेतृत्व दे सकती है जो भविष्य में सीएम के दावेदार हों और लॉन्ग टाइम छत्तीसगढ़ का फेस बने रह सकें. राजनीतिक जानकारों की मानें तो 2023 में यदि भाजपा की सरकार बनी तो प्रदेश में हर वर्ग से मुख्यमंत्री पद के दावेदार सामने दिखाई देंगे.

2023 में होंगे कई ऐसे चेहरे जो बनेंगे सीएम दावेदार

भाजपा ने 17 अगस्त को एमपी-छत्तीसगढ़ मिलाकर 60 दावेदारों की सूची जारी कर सबको चौंका दिया था. इस सूची में छत्तीसगढ़ के 21 दावेदारों के नाम की घोषणा हुई थी. 21 नामों में दो नाम सबसे अधिक चर्चा में रहे. पहला विजय बघेल का, जो कि दुर्ग से सांसद हैं और दूसरा राम विचार नेताम जो कि पूर्व राज्यसभा सदस्य और पूर्व मंत्री रह चुके हैं. भाजपा ने इन दो

चेहरों को मैदान में उतारकर ये संकेत दिया है कि भाजपा में 2023 के चुनाव में कोई सीएम का फेस नहीं होगा, बल्कि कई ऐसे चेहरे होंगे जो सीएम के दावेदार बन सकते हैं.

बीजेपी ने खेला है विजय बघेल पर दांव

भाजपा ने पाटन से विजय बघेल को मैदान में उतारकर कांग्रेस के मास्टर स्ट्रोक को कैच आउट करने के लिए फील्डिंग की है. गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री कुर्मी समाज से आते हैं जो ओबीसी कैटेगरी में आता है. प्रदेश में ओबीसी वर्ग प्रदेश की आबादी का लगभग 50ः से अधिक है. यही कारण है कि भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री बनने के बाद भाजपा ओबीसी वर्ग से बड़े चेहरे की तलाश कर रही थी, जिसके लिए उसने विजय बघेल पर दांव खेला है.

2019 में दुर्ग से सांसद बने थे विजय बघेल

विजय बघेल के बारे में बता दें कि, वह 2019 में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर सांसद बने थे. विजय बघेल ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत साल 2000 में की थी. 2000 में विजय बघेल ने भिलाई नगर परिषद का चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीता था. उसके बाद साल 2003 में वह राष्ट्रवादी कांग्रेस में शामिल हो गए. 2003 का चुनाव उन्होंने पाटन विधानसभा क्षेत्र से इसी पार्टी से चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा.

2003 में बीजेपी में शामिल हुए थे विजय बघेल

2003 में चुनाव हारने के बाद विजय बघेल बीजेपी में शामिल हो गए थे. साल 2008 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने उन्हें फिर से पाटन विधानसभा सीट से उतारा था. कांग्रेस की तरफ से भूपेश बघेल चुनाव मैदान में थे. इस चुनाव में विजय बघेल ने भूपेश बघेल को करीब 8 हजार वोटों से करारी शिकस्त दी थी. विजय बघेल अपने चाचा को चुनाव हराकर पहली बार विधानसभा पहुंचे थे. विजय बघेल भाजपा सरकार में संसदीय सचिव भी रहे.

एसटी वर्ग से आते हैं रामविचार नेताम, प्रदेश के दूसरे सबसे बड़े नेता

अब बात करते हैं दूसरे चेहरे जो कि प्रदेश के दूसरे बड़े समुदाय से आते हैं. रामविचार नेताम एसटी वर्ग से आते हैं. प्रदेश में लगभग 30 से 32 फीसदी एसटी वर्ग की आबादी है. भाजपा ने इन्हें सरगुजा संभाग के रामानुजगंज सीट से उम्मीदवार बनाया है. राम विचार नेताम रमन सरकार में मंत्री रह चुके हैं. सरगुजा जिले के दूरस्थ क्षेत्र सनावल में जन्मे रामविचार नेताम संभाग मुख्यालय अंबिकापुर के पीजी कालेज में छात्र जीवन से ही राजनीति में शामिल हो चुके थे.

1990 में पहली बार पाल क्षेत्र से बने भाजपा विधानसभा प्रत्याशी

पढ़ाई के बाद वे गांव लौटे तो वे स्कूल में शिक्षक की नौकरी करने लगे. वर्ष 1990 में पहली बार उन्हें पाल क्षेत्र से भाजपा विधानसभा प्रत्याशी बनाया गया था. पहले चुनाव में ही जीत हासिल की और लगातार पांच बार 2013 तक क्षेत्र से विधायक चुने गए. छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार में वे राजस्व, आदिमजाति कल्याण, गृह व जेल, उच्च शिक्षा, जल संसाधन सहित विभिन्न प्रमुख विभागों के मंत्री रहे.

कई बड़े दायित्व भी निभा चुके हैं नेताम

इसके अलावा वे भाजपा संगठन में भी काम करते रहे. वर्ष 2001 से 2003 तक वे अविभाजित सरगुजा जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष थे. वर्ष 2013 में रामानुजगंज विधानसभा चुनाव में उन्हें कांग्रेस के प्रत्याशी बृहस्पति सिंह ने शिकस्त दी और पहली बार उन्हें राजनीतिक जीवन में हार का सामना करना पड़ा. चुनाव में पराजय मिलने के बावजूद नेताम को भाजपा के तबके राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने अपनी टीम का न सिर्फ हिस्सा बनाया, बल्कि राष्ट्रीय सचिव के साथ झारखंड राज्य के सह प्रभारी व अनुसूचित जनजाति मोर्चा का राष्ट्रीय प्रभारी का दायित्व भी सौंपा था.

बीमार आँख वाले भाजपा नेता पहले अपनी आँखों का कराएं इलाज, बीमार आँखो से नही दिखेगा विकास

आँखे खोलो, विकास देखो

रायपुर. भाजपा के दूरबीन मामले में रायपुर पश्चिम विधानसभा के ब्लॉक अध्यक्षों दाऊलाल साहू, अशोक ठाकुर एवं देवकुमार साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राज्य में विकास किया है, विकास करेंगे के नारों के साथ रायपुर पश्चिम में कई आधारभूत विकास कार्य पूरे किए गए हैं. लेकिन यह सारे विकास विपक्षीय नेताओं को नहीं दिखाई देता, क्योंकि वे आंखे होते हुए भी आंखे मूंदे हुए हैं. ऐसे लोगों को विकास दिखाने निकले कांग्रेस के कार्यकर्ता, आँखों वाले मन के अंधों को चश्मा भेंट करते हुए किया अनोखा प्रदर्शन. तीनों ब्लॉक अध्यक्षों ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने नया राजधानी और पुराने शहर को दो भागों में बांटते हुए नये रायपुर का विकास किया, चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई, बड़े-बड़े बिजली के खंभे लगाये, क्योंकि उसके आस-पास भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की जमीन है. लेकिन शहर में निवासरत् 15 लाख लोगों को जो मूलभूत सुविधा चाहिए थी वो उन्हें नहीं मिली. अण्डर ग्राउण्ड बिजली के लिए खुदाई की जा रही है, पेयजल हेतु पाईपलाईन का विस्तार किया जा रहा है, इसलिए वर्तमान में थोड़ी अव्यवस्था है. लेकिन इसका लाभ वर्षों तक मिलेगा. शिक्षा के क्षेत्र में स्वामी आत्मानंद योजना के तहत् स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग खोले जा रहे हैं, जिससे गरीब वर्ग, निम्न वर्ग एवं मध्यम वर्ग के बच्चे हजारों की संख्या में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार हमर क्लीनिक, हमर अस्पताल, मुख्यमंत्री मोबाईल यूनिट के तहत् निःशुल्क स्वास्थ्य सेवायें प्राप्त कर रहे हैं और वहीं धन्वंतरी मेडिकल के माध्यम से सस्ती दवाईयाँ मुहैया कराई जा रही है. राजधानी के तालाबों को बचाने के लिए गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य निरन्तर जारी है. सभी जाति समुदाय के लोगों को जमीन एवं भवन हेतु सरकार द्वारा राशियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं. तीनों ब्लॉक अध्यक्षों ने विकास ढूंढने निकले पूर्व मंत्री राजेश मूणत एवं भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा के लोगों के मनगढ़त कथन पर हमारा इतना ही कहना है कि भाजपा के 15 साल के कार्यकाल में जो विकास हुआ उससे कहीं ज्यादा विकास कांग्रेस की सरकार मात्र 05 वर्षों में ही करके दिखा दी है.

रायपुर पश्चिम विधानसभा अंतर्गत तीनों ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों ने संयुक्त रूप से कहा कि बीते 05 सालों में छत्तीसगढ़ सहित रायपुर का जो विकास हुआ है उसको भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अरूण साव और राजेश मूणत हमारे साथ चलकर देखें.

पूर्व मंत्री द्वारा विकास के नाम पर सरकारी पैसों का कैसे दुरुपयोग किया गया है, इसका जीता-जागता उदाहरण स्काईवाक है. गरीबों का मकान तोड़कर सड़क चौड़ीकरण करने वाले मंत्री का विकास छत्तीसगढ़ की जनता ने देखा है, इसीलिए इनके विकास को जनता ने सिरे से नकारा.

तीनों ब्लॉक अध्यक्षों ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का सिर्फ एक ही काम है झूठ परोसना. जनता को दिग्भ्रमित करने रोज नये-नये पैंतरे अपना रहे हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ की जनता ने 15 साल के सत्ता के नशे में चूर बीजेपी के नेताओं को सिरे से नकारते हुए 15 सीट पर ला दिया और आगे भी छत्तीसगढ़ में भाजपा के नेताओं की दाल नहीं गलने वाली. इस बात को बीजेपी के नेता समझ चुके हैं इसीलिए झूठ का सहारा लेते हुए जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं.

लग्जरी गाड़ी छोड़ राहुल गांधी ने की ट्रेन की सवारी

बिलासपुर से रायपुर तक किया सफर

रायपुर. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर में एक सभा को संबोधित करने के बाद ट्रेन से यात्रा करते हुए रायपुर पहुंचे. कांग्रेस की तरफ से जारी की गई तस्वीरों में इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी यात्रियों से बातचीत करते नजर आ रहे हैं. बिलासपुर से चलकर ट्रेन शाम पांच बजकर 50 मिनट पर रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंची. यहां कांग्रेस विधायक कुलदीप जुनेजा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया.

दरअसल बिलासपुर जिले के तखतपुर के परसदा गांव में राज्य सरकार के कार्यक्रम आवास न्याय सम्मेलन में शामिल होने के लिए राहुल गांधी पहुंचे थे. इस कार्यक्रम के बाद राहुल गांधी बिलासपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे और यहां से इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन (बिलासपुर-इतवारी) के स्लीपर कोच में सवार हुए. इस दौरान उनके साथ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पार्टी की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और अन्य नेता भी थे.

हॉकी खिलाड़ी से की बात

रायपुर यात्रा के दौरान तस्वीरों में राहुल गांधी ने जिस यात्री युवती से बातचीत करते नजर आ रहे हैं, उसने बताया कि वह एक हॉकी खिलाड़ी है. इस दौरान उसने राहुल गांधी को राजनांदगांव में एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान की खराब हालत के बारे में भी जानकारी दी.

खिलाड़ियों के सुविधाओं के बारे में जाना

राजनांदगांव जिले की हॉकी खिलाड़ी ने बताया कि मैंने राहुल गांधी से कहा है कि हमें एक नया मैदान चाहिए. युवती के साथ अन्य खिलाड़ी भी थीं. वहीं खिलाड़ियों के साथ आए एक शख्स ने बताया कि राहुल गांधी ने राजनांदगांव में खेलो इंडिया सेंटर में खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली.

राहुल गांधी में चीजों को जानने की उत्सुकता : डिप्टी सीएम

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बिलासपुर से रायपुर जाने के लिए ट्रेन यात्रा पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने कहा कि हमें यह जानकारी थी कि वह सड़क मार्ग से या हेलीकाप्टर से लौटेंगे. जब हम खाना खा रहे थे तब अचानक उन्होंने कहा कि प्लीज कार में बैठो, हम ट्रेन से चलेंगे. उनमें जानकारी हासिल करने की जिज्ञासा होती है कि जमीन पर क्या स्थिति है. पिछले 10-15 वर्षों में मैंने महसूस किया है कि उनमें चीजों को जानने की बहुत उत्सुकता है. वह हर चीज के बारे में पूछते हैं. उन्हें जब भी मौका मिलता है वह लोगों से मिलते हैं और उनका हाल पूछते हैं.

कटघोरा सीट पर कांग्रेस का दबदबा, क्या BJP को यहां पर मिलेगी जीत?

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की अपनी खास राजनीतिक पहचान है. जिले की कटघोरा विधानसभा सीट भले ही सामान्य सीट है, लेकिन यहां पर आदिवासी उम्मीदवारों का खासा दबदबा है और हार-जीत पर काफी असर डालते हैं. कटघोरा विधानसभा सीट पर अभी कांग्रेस का कब्जा है.

कटघोरा सीट पर सबसे ज्यादा समय तक कांग्रेस का दबदबा रहा है. सीट पर सबसे ज्यादा 6 बार चुनाव जीतने का रिकॉर्ड बोधराम कंवर के नाम है. 6 बार में से एक बार वह निर्दलीय (1972) चुने गए. लेकिन इसके बाद वह कांग्रेस में शामिल हो गए और हर बार चुनाव जीतते रहे.

कितने वोटर, कितनी आबादी

2018 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो कटघोरा सीट पर 10 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला रहा. हालांकि यहां त्रिकोणीय मुकाबला दिखा. भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के बीच कड़ा मुकाबला रहा. कांग्रेस के पुरुषोत्तम कंवर को चुनाव में 59,227 वोट मिले तो भारतीय जनता पार्टी के लखनलाल देवांगन को 47,716 वोट मिले. जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के उम्मीदवार के गोविंद सिंह राजपूत के खाते में 30,509 वोट आए. कांग्रेस के पुरुषोत्तम कंवर ने 11,511 मतों के अंतर से यह मुकाबला जीत लिया. तब के चुनाव में कटघोरा सीट पर कुल 1,97,527 वोटर्स थे जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 1,01,055 थी तो महिला मतदाताओं की संख्या 96,467 थी. इसमें कुल 1,51,128 (78.0%) वोट पड़े. NOTA के पक्ष में 2,867 (1.5%) वोट डाले गए.

कटघोरा विधानसभा सीट पर कुल 2,05,961 वोटर्स हैं. इसमें पुरुष वोटर्स की संख्या 1,04,805 है जबकि महिला वोटर्स की संख्या 1,01,146 है. इनके अलावा 10 ट्रांसजेंडर भी वोटर्स हैं.

कैसा रहा राजनीतिक इतिहास

कटघोरा सीट के चुनावी इतिहास पर गौर करें तो 1990 के बाद से इस सीट पर ज्यादातर समय कांग्रेस का ही दबदबा रहा है. कांग्रेस ने 4 बार तो बीजेपी ने 3 बार जीत हासिल की है. छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद 2003 में जब यहां पर पहली बार चुनाव हुए तो कांग्रेस के बोधराम कंवर ही विजयी हुए. 5 साल बाद 2008 के चुनाव में भी बोधराम कंवर चुनाव जीतने में कामयाब रहे थे.

2013 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने लखनलाल देवांगन के दम पर यहां फिर से जीत हासिल की. उन्होंने 6 बार के विधायक बोधराम को हराया. कांग्रेस इस सीट पर आदिवासी कंवर समाज के लोगों को ही टिकट देती रही है. लेकिन 2018 के चुनाव में कांग्रेस ने बोधराम कंवर की जगह उनके बेटे पुरुषोत्तम कंवर को टिकट दिया और वह चुनाव जीतने में कामयाब रहे. लखनलाल देवांगन दूसरे स्थान पर रहे.

सामाजिक-आर्थिक ताना बाना

कटघोरा सीट का बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों से घिरा हुआ है. यहां का करीब 60 प्रतिशत इलाका कोयला खदान से जुड़ा हुआ है. एसईसीएल की ओर से कोयला खदान और बिजली संयंत्रों के लिए अधिग्रहित की गई जमीन पर पुनर्वास नीति से करीब 25 हजार किसान ज्यादा खुश नहीं हैं. कई लोगों को उचित मुआवजा तक नहीं मिल सका है. विस्थापित किसानों का संघर्ष आज भी जारी है.

कांग्रेस ने वादा किया था कि वह सत्ता में आने के कटघोरा को जिला बनाएगी लेकिन उसकी ओर से वादा पूरा नहीं किया गया. जबकि बीजेपी ने भी सत्ता में रहने के दौरान वादा किया था लेकिन पूरा नहीं किया गया. वैसे तो सीट सामान्य वर्ग के लिए लेकिन आदिवासी वोटर निर्णायक की भूमिका में रहता है. यहां पर करीब 70 प्रतिशत सामान्य और ओबीसी वर्ग के वोटर्स हैं तो करीब 30 प्रतिशत वोटर्स आदिवासी समाज के लोग हैं.

प्रियंका बोली - छत्तीसगढ़ की महिलाएं अब सशक्त

रायपुर. छत्तीसगढ़ के भिलाई के जयंती स्टेडियम में आयोजित महिला समृद्धि सम्मेलन में शामिल हुईं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रदेश की भूपेश बघेल की सरकार की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा कि भूपेश सरकार की योजनाएं महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर बनाई गई हैं. छत्तीसगढ़ महतारी की आज हर मंच पर गूंज है. उनके एक हाथ में संस्कृति का कलश है और दूसरे हाथ में तकनीक है. प्रियंका गांधी ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी की समृद्धि के लिए सरकार लगातार मेहनत कर रही है.

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग जिलावासियों को 309 करोड़ 56 लाख रुपए के 186 विकास कार्यों की सौगात दी. इसमें 241 करोड़ 59 लाख रुपए के 123 भूमिपूजन कार्य, 67 करोड़ 97 लाख रुपए के 63 कार्यों का लोकार्पण शामिल है. मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन केंद्रों को संवारने के लिए छत्तीसगढ़ महतारी सांस्कृतिक संवर्धन योजना लागू करने की घोषणा भी की.

छत्तीसगढ़ की जनता आर्थिक रूप से हुई मजबूत-प्रियंका

महिलाओं को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि आप सभी जिस गंभीर समस्या से जूझ रही हैं, वो है महंगाई की समस्या. छत्तीसगढ़ की सरकार ने प्रदेश की जनता को आर्थिक रूप से ताकतवर बनाने का काम किया है. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में किसानों को धान का दाम सबसे अधिक मिल रहा है. पूरे देश में ऐसा कहीं नहीं है. देश के दूसरे हिस्से में जहां किसानों की संख्या घट रही है वहीं छत्तीसगढ़ में लोग खेती की ओर लौट रहे हैं.

प्रियंका गांधी ने कहा कि किसानों को मिले उचित दाम की वजह से छत्तीसगढ़ की जनता पर महंगाई का बोझ कम हुआ है. उन्होंने कहा कि देश के किसी भी हिस्से में चले जाएं, आवारा पशुओं की वजह से खेती में बड़ी समस्या आती है लेकिन छत्तीसगढ़ में सरकार ने गौठान बनाकर इस समस्या का हल किया है. मैं जिस भी प्रदेश में जाती हूं इस बात का जिक्र जरूर करती हूं.

बघेल सरकार लेकर आई महिलाओं के लिए योजनाएं - प्रियंका

प्रियंका गांधी ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं के लिए जितनी भी योजनाएं लाई हैं, उसमें इस बात का ध्यान रखा गया है कि वे समाज का, परिवार का पूरा बोझ उठाती हैं. मुख्यमंत्री जी खुद अपने संबोधन में कह रहे थे कि घर परिवार दोनों की जिम्मेदारी आप निभा रही हैं. मैं जानती हूं जो रात को आखिर में सोती हैं, वो महिला हैं. जो हमारी संस्कृति है, हमारी अगली पीढ़ी का भविष्य महिलाएं बनाती हैं.

प्रदेश में करोड़ों के ऋण माफ किए गए- प्रियंका

प्रियंका गांधी ने कहा कि भूपेश बघेल जी की सरकार ने 10 लाख से अधिक महिलाओं को समूहों से जोड़ा. कुछ समूह ऐसे हैं जिन्होंने लाखों रुपए कमाये हैं. आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका का मानदेय भी उन्होंने बढ़ाया. मितानिन बहनों का भी मानदेय बढ़ाया. दाई दीदी क्लिनिक आरंभ किया. निःशुल्क इलाज हो रहा है. महतारी जतन योजना एक ऐसी योजना है जिससे गर्भवती माताओं को अच्छा भोजन मिल रहा है. सरकारी स्कूलों में महिलाओं को मुफ्त शिक्षा दिलाई. महिला स्वसहायता समूहों में करोड़ों के ऋण माफ किये गये. मुख्यमंत्री नोनी सहायता योजना से मदद दी गई. मिशन क्लीन सिटी परियोजना के तहत हजारों महिलाएं कार्यरत हुईं. ऐसी कई योजनाएं प्रदेश सरकार ने मेरी बहनों के लिए लागू की.

प्रदेश में महिलाओं को सम्मान मिला - बघेल

वहीं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के समाज में हमेशा महिलाओं को सम्मान मिला है. लैंगिक अनुपात के मामले में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य रहा है. पुरुषों और महिलाओं के बराबरी के सहयोग से यहां सभी काम होते हैं. हमने सभी वर्गों के लिए योजनाएं बनाईं. किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम किया.

बघेल ने गिनाए सरकार के काम काज

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि अभी प्रियंका जी ने स्टाल में देखा कि छत्तीसगढ़ में किस तरह से काम हो रहा है. बीपीओ खोले गये हैं. गारमेंट फैक्ट्री खोली गई है. हमने तीज त्योहारों और अन्य स्थानीय त्योहारों पर अवकाश आरंभ किया. मुख्यमंत्री निवास में तीज त्योहार मनाया. बोरे बासी को सम्मान देने का काम हमने किया.

खानपान की परंपराओं का सम्मान हमने किया. छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति कलेक्ट्रेट में लगाई. राजगीत को अपनाया. चाहे माडल जैतखंभ बनाने का काम हो, कृष्ण कुंज बनाने का काम हो. राम वनगमन परिपथ बनाने का काम हो. छत्तीसगढ़ की संस्कृति को संवारने का काम हमने किया है. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, स्कूल शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया, आबकारी मंत्री कवासी लखमा, बस्तर सांसद दीपक बैज ने भी सम्मेलन को संबोधित किया.

भारत ने इस बार एशियन गेम्स में रचा इतिहास, इन खेलों में आए पहली बार मेडल तो हुई ये बड़ी चीजें

‘मुंबई. भारत के लिए 19वां एशियन गेम्स ऐतिहासिक उपलब्धियों से भरा रहा. भारत ने इस बार के एशियन गेम्स के लिए अपना सबसे बड़ा दल भेजा था और भारत ने इस बार सबसे अधिक मेडल भी हासिल किए. इतना नहीं भारत ने इस बार कई खेलों में ऐतिहासिल रुप से मेडल भी जीते. भारत पहली बार एशियाड में 100-पदक के आंकड़े को पार करने में सफल हुआ. भारत ने कुल 107 पदक जीते हैं. जिसमें 28 स्वर्ण, 38 सिल्वर और 41 ब्रॉन्ज शामिल हैं. भारत ने इस बार तालिका में चौथा स्थान सुरक्षित किया है और यह 60 सालों में पहली बार हो रहा है.’

इस बार भारत ने हासिल किए ये बड़े मुकाम

भारत ने इस बार कुल 28 गोल्ड मेडल अपने नाम किए. यह एशियाई खेलों में भारत का सबसे अच्छा प्रदर्शन है. भारत ने इससे पहले कभी भी इतने गोल्ड मेडल नहीं जीते थे. भारत ने शूटिंग में सबसे अधिक सात गोल्ड जीते.

भारत के लिए इस बार सबसे अधिक मेडल एथलेटिक्स में आए. एथलेटिक्स में कुल 29 मेडल आए. जबकि शूटिंग में 22 मेडल आए. इन दोनों खेलों को मिलाकर कुल 51 पदक आए हैं.

30 एथलीटों ने अब तक एक से अधिक पदक जीते हैं, जिनमें राइफलमैन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और पिस्टल निशानेबाज ईशा सिंह ने एक एथलीट द्वारा सबसे अधिक 4 पदक जीते हैं.

1 अक्टूबर को, टीम ने एक ही दिन में सबसे अधिक पदक – 15 – जीते. इस बार के खेलों में ऐसा एक भी दिन नहीं रहा, जब भारत ने कोई मेडल नहीं जीता हो.

शूटिंग में टीम स्पर्धा के आने से भी भारत के मेडलों की संख्या बढ़ी है. शूटिंग के 22 में से 13 मेडल टीम स्पर्धा में आए हैं.

5,000 मीटर दौड़ में पारुल चौधरी का स्वर्ण पदक 1998 के खेलों में शुरू किए जाने के बाद से एशियाड में इस प्रतियोगिता में भारत का पहला पदक रहा.

इसी तरह, घुड़सवारी में, ड्रेसेज टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि व्यक्तिगत स्पर्धा में अनुश अग्रवाल ने कांस्य के रुप में पहली बार मेडल जीता.

बैडमिंटन में पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने दो सीधे गेमों में स्वर्ण पदक मैच जीता, जो पहली बार था.

सेपक टकरा में भारतीय महिलाओं टीम का यह पहला मेडल रहा.सेपक टकरा में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला है. भारतीय महिलाओं को सेमीफाइनल में थाईलैंड के खिलाफ 21-10, 21-13 से हार का सामना करना पड़ा है.

भारत के एचएस प्रणय एशियाई खेलों की पुरुष एकल स्पर्धा में कांस्य जीतने में सफल रहे. एचएस प्रणय ने नई दिल्ली 1982 खेलों में सैयद मोदी के पदक जीतने के बाद भारत का पहला पदक जीता है.

4x400 मीटर पुरुष रिले टीम ने 1962 एशियाड के बाद पहला गोल्ड मेडल अपने नाम किया.

भारत ने कंपाउंड तीरंदाजी में स्वर्ण पदकों का क्लीन स्वीप पूरा किया.

भारत ने पहली बार क्रिकेट में गोल्ड जीता है. भारतीय पुरुष और महिला टीम ने इससे पहले कभी मेडल नहीं जीता था.

5 राज्यों की चुनावी तारीखें : MP में 17, राजस्थान में 23, छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर को मतदान, नतीजे 3 दिसंबर को

> रायपुर. इस साल के अंत में पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है. पांचों राज्यों में 7 से 30 नवंबर तक विधानसभा चुनाव होंगे, मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को एक ही चरण में मतदान होंगे. छत्तीसगढ़ में 7 नवंबर और 17 नवंबर को दो चरणों में वोट डाले जाएंगे. राजस्थान में 23 नवंबर, मिजोरम में 7 नवंबर को चुनाव होगा.तेलंगाना में 30 नवंबर को वोट डाले जाएंगे. 3 दिसंबर को वोटों की गिनती होगी.

राजस्थान में 23 नवंबर को होगा मतदान

राजस्थान में विधानसभा की 200 सीटों के लिए 23 नवंबर को मतदान होगा और मतों की गिनती तीन दिसंबर को की जाएगी. चुनाव आयोग के मुताबिक राजस्थान में चुनाव की अधिसूचना 30 अक्टूबर को जारी होगी और उम्मीदवार छह नवंबर तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे. सात नवंबर को नामांकन की जांच होगी और नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख नौ नवंबर होगी. मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि राजस्थान में 23 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना तीन दिसंबर को की जाएगी. राजस्थान विधानसभा चुनाव के तहत होने वाले मतदान में सवा पांच करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे. राजस्थान में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच होता है। इस मरूधर प्रदेश में कुछ क्षेत्रीय पार्टियां भी हैं जो चुनिंदा क्षेत्रों में अपना प्रभाव रखती हैं. राज्य विधानसभा के पिछले चुनाव (2018) में कुल 200 सीटों में कांग्रेस को 99 व भाजपा को 73 सीटें मिलीं. अलवर जिले की रामगढ़ विधानसभा सीट पर बसपा प्रत्याशी के निधन के बाद चुनाव

स्थगित कर दिया गया जो 28 जनवरी को हुआ। इसमें भी कांग्रेस ने बाजी मारी। अशोक गहलोत ने 17 दिसंबर 2018 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. राजस्थान में अभी तक न तो भाजपा ने ही और ना ही कांग्रेस ने किसी उम्मीदवार की घोषणा की है.

मिजोरम की सभी 40 विधानसभा सीटों के लिए 7 नवंबर को मतदान

मिजोरम की सभी 40 विधानसभा सीटों के लिए सात नवंबर को मतदान होगा तथा तीन दिसंबर को मतगणना होगी. मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी तथा 20 अक्टूबर को नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे. नामांकन पत्रों की छानबीन 21 अक्टूबर को होगी तथा 23 अक्टूबर को नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे. मिजोरम विधानसभा का कार्यकाल 17 दिसंबर को खत्म होगा. इस पूर्वोत्तर राज्य में मिजो नेशनल फ्रंट सत्ता में है. पिछले विधानसभा चुनाव में मिजो नेशनल फ्रंट ने 26 सीटें जीती थीं तो जोराम पीपुल्स मूवमेंट को आठ और कांग्रेस को पांच सीटें हासिल हुई थीं.

छत्तीसगढ़ में दो चरणों में 7 और 17 नवंबर को मतदान

छत्तीसगढ़ की कुल 90 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में सात और 17 नवंबर को मतदान संपन्न होगा तथा तीन दिसंबर को मतगणना होगी. नक्सल प्रभावित कुछ क्षेत्रों के चलते संवेदनशील माने जाने वाले छत्तीसगढ़ में पहले चरण में सात नवंबर को 20 सीटों पर मतदान होगा तथा दूसरे चरण में 17 नवंबर को 70 सीटों पर मतदान होगा. राज्य विधानसभा चुनाव के पहले चरण लिए 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी तथा 20 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे. पहले चरण में नामांकन पत्रों की जांच 21 अक्टूबर को की जाएगी तथा 23 अक्टूबर तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे. दूसरे चरण के लिए 21 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की जाएगी तथा 30 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे. छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के लिए 31 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की छानबीन होगी तथा दो नवंबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे. छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है. भाजपा मुख्य विपक्षी दल की भूमिका में है. राज्य में 2018 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 68 सीटें जीतकर 15 साल बाद सत्ता में वापसी की थी। भाजपा को 15 सीटें हासिल हुई थीं.

60 लाख युवा पहली बार डालेंगे वोट - EC

अकेले छत्तीसगढ़ में दो चरणों में चुनाव होगा बाकी सभी चार राज्यों में एक ही चरण में वोटिंग होगी.पांच राज्यों में 16 करोड़ वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे. जिनमें 8 करोड़ से ज्यादा पुरुष मतदाता और 7.8 करोड़ महिला मतदाता हैं. 60 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे. पाचों चुनावी राज्यों में 679 विधानसभा सीटें हैं. सभी राज्यों में महिलाओं का वोट प्रतिशत पहले से बढ़ा है. वोटर लिस्ट 17 अक्टूबर को जारी की जाएगी, 23 अक्टूबर तक इसमें सुधार किया जा सकेगा.

मध्य प्रदेश में 17 नवंबर को मतदान

मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के आगामी चुनाव के लिए 17 नवंबर को मतदान होगा और मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी. आयोग के मुताबिक मध्य प्रदेश चुनाव के लिए अधिसूचना 21 अक्टूबर को जारी होगी और नामांकन की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर होगी. नामांकन पत्रों की जांच 31 अक्टूबर को की जाएगी और नाम वापस लेने की अंतिम तारीख दो नवंबर होगी. साल 2018 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 230 सदस्यीय विधानसभा में 114 सीटें जीती थीं और गठबंधन सरकार बनाई थी. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस चुनाव में 109 सीटें जीती थीं. कांग्रेस के कद्दावर नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में विधायकों के एक गुट के विद्रोह के चलते कमलनाथ अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके और मार्च 2020 में उनके नेतृत्व वाली सरकार गिर गई. सिंधिया गुट के विधायकों के समर्थन से बाद में भाजपा सत्ता में लौटी और शिवराज सिंह चौहान चौथी बार मुख्यमंत्री बने. मध्य प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा ने अब तक तीन अलग-अलग सूचियों में 79 उम्मीदवारों की घोषणा की है और अब तक तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित कई सांसदों को उम्मीदवार बनाया है जबकि कांग्रेस ने अब तक उम्मीदवारों की कोई सूची जारी नहीं की है.

मध्य प्रदेश में अब तक मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच रहा है। बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी के साथ क्षेत्रीय दल गोंडवाणा गणतंत्र पार्टी का भी प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में प्रभाव है. इस बार के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी भी ताल ठोंकने को तैयार है

और उसने अब तक 39 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की है. विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के दो प्रमुख सदस्य आप और कांग्रेस ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वे मप्र चुनाव में गठबंधन सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ेंगे या नहीं.

तेलंगाना में सभी 119 विधानसभा सीटों के लिए 30 नवंबर को मतदान

तेलंगाना में 119 विधानसभा सीटों के लिए एक चरण में 30 नवंबर को मतदान होगा तथा तीन दिसंबर को मतगणना होगी. राज्य विधानसभा चुनाव के लिए तीन नवंबर को अधिसूचना जारी होगी तथा 10 नवंबर तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे. तेलंगाना में नामांकन पत्रों की छानबीन 13 नवंबर को की जाएगी तथा 15 नवंबर तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे. राजीव कुमार ने बताया कि तेलंगाना में सभी 119 विधानसभा सीटों के लिए 30 नवंबर को मतदान होगा और तीन दिसंबर को मतगणना होगी. तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी उसे चुनौती देने का प्रयास कर रहे हैं. राज्य में 2018 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में बीआरएस (तत्कालीन टीआरएस) ने 88 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रखी थी। कांग्रेस को 19, एआईएमआईएम को सात सीटें हासिल हुई थीं। भाजपा को सिर्फ एक सीट से संतोष करना पड़ा था.

उन्होने कहा कि कोई भी मतदान केंद्र 2 किमी से ज्यादा दूरी पर नहीं होगा.आदिवासियों के लिए अतिरिक्त मतदान केंद्र बनाए जाएंगे. चुनाव आयोग ने सभी देसवासियों से बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की है.

जम्मू कश्मीर में चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि इसके लिए जो भी सही समय होगा सुरक्षा को देखते हुए हम आपको सूचित करेंगे.

विधानसभा चुनाव 2023

पांच राज्यों में 55 दिन बाद नई सरकार

राज्य	मतदान	मतदाता	सीटें	बहुमत
मध्य प्रदेश	17 नवंबर	5.6 करोड़	230	116
राजस्थान	23 नवंबर	5.25 करोड़	200	101
छत्तीसगढ़	7, 17 नवंबर	2.03 करोड़	90	46
मिजोरम	7 नवंबर	8.52 लाख	40	21
तेलंगाना	30 नवंबर	3.17 करोड़	119	60

नतीजे : 3 दिसंबर

बुजुर्ग मतदाता घर से डाल सकेंगे वोट-EC

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि पांचों चुनावी राज्यों का दौरा कर उन्होंने सभी दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर बातचीत की. पिछले 6 महने से चुनाव की तैयारी की जा रही थीं. आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को अपने केस की जानकारी देनी होगी. बुजुर्ग मतदाता घर से ही अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे.

उन्होने कहा कि कोई भी मतदान केंद्र 2 किमी से ज्यादा दूरी पर नहीं होगा.आदिवासियों के लिए अतिरिक्त मतदान केंद्र बनाए जाएंगे. चुनाव आयोग ने सभी देसवासियों से बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की है.

जम्मू कश्मीर में चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि इसके लिए जो भी सही समय होगा सुरक्षा को देखते हुए हम आपको सूचित करेंगे.

> मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के मुताबिक, पांचों राज्यों - मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, राजस्थान और मिजोरम - में कुल मिलाकर 1.77 लाख पोलिंग स्टेशन होंगे, जिनमें से 1.01 लाख पर वेबकास्टिंग सुविधा मौजूद होगी.

गुजराती और सिंधी समाज का विरोध नहीं आया काम, भाजपा का पुराने दिग्गजों पर दांव

रायपुर. कांग्रेस की पहली सूची के इंतजार के बीच भाजपा ने 64 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। दूसरी सूची में 3 सांसद, 9 महिला, दो पूर्व आईएएस अधिकारी और एक छत्तीसगढ़ फिल्म अभिनेता को टिकट दिया गया है। इस सूची में भाजपा ने अपने पुराने दिग्गज नेताओं पर दांव खेलने के साथ नए और युवा चेहरों पर भी भरोसा जताया है। बता दें कि भाजपा ने 85 घोषित प्रत्याशितों में 43 नए चेहरों को मौका दिया है।

सूची में 11 वर्तमान विधायकों को दोबारा मौका दिया गया है। भाजपा ने जिन तीन सांसदों को टिकट दिया है, उनमें केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह को भरतपुर-सोनहत से, सांसद गोमती साय को पत्थलगांव से और सांसद और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को लोरमी से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं पूर्व आईएएस ओपी चौधरी को रायगढ़ से पूर्व आईएएस नीलकंठ टेकाम को केशकाल से उम्मीदवार बनाया है। विरोध के बावजूद धरसींवा से छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार अनुज शर्मा को टिकट दिया गया है। वहीं भाजपा ने बिन्द्रानवागढ़ के विधायक डमरुधर पुजारी की टिकट काट दी है। यहां से गोवर्धन राम मांझी को टिकट दिया गया है। भाजपा की दोनों सूची में 50 वर्ष से कम आयु के 34 युवा प्रत्याशी हैं। इसके अलावा जुदेव परिवार से दो लोगों को टिकट दी गई है। इसके अलावा जोगी कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए धरमजीत सिंह को तखतपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। इससे पहले यहां से महिला उम्मीदवार को चुनाव मैदान में उतरा गया था।

90 में से 85 सीटों पर प्रत्याशी घोषित

भाजपा ने पहली और दूसरी सूची मिलाकर 90 में से 85 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं, जिसमें 4 सांसद, 14 महिलाएं, दो पूर्व आईएएस और 4 दूसरी पार्टी से आए नेता भी शामिल हैं। भाजपा ने 50 वर्ष से कम 34 प्रत्याशियों को टिकट बांटे हैं।

चुनाव की तारीखों को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, चुनाव आयोग की घोषणा के मुताबिक 7 नवम्बर को पहले चरण का मतदान होना है। 13 अक्टूबर से नामांकन शुरू होगा। यह सबसे कम समय है। इससे साफ है कि चुनाव के बहुत कम समय मिलेगा। सीडब्ल्यूसी की बैठक से लौटने के बाद सीएम ने कांग्रेस की सूची को लेकर कहा, चुनाव की तारीख आ गई है। अब सूची में देर नहीं होगी। सारी प्रक्रिया चल रही है। भाजपा की सूची पर सीएम ने कहा, जनता ने जिन्हें पहले नकार दिया था, उस पर भाजपा ने विश्वास जताया है। इसका मतलब यह है कि उनके पास अब कोई चेहरा नहीं है। सांसदों को टिकट देने के संबंध में सीएम ने कहा, भाजपा केंद्रीयराज्यमंत्री को दूसरे लोकसभा क्षेत्र की टिकट दे रही है। वे सांसद सरगुजा से है और उन्हें टिकट कोरबा जिले से दिया गया है। विष्णुदेव साय पत्थलगांव में रहते हैं और टिकट कुनकुरी से दिया गया है। ओपी चौधरी खरसिया से पलायन कर गए। सीएम ने साजा से ईश्वर साहू को टिकट देने पर कहा कि यह उनका नजरिया है।

विधानसभा का नाम- उम्मीदवार

भरतपुर-सोनहत	-	रेणुका सिंह
मनेंद्रगढ़	-	श्याम बिहारी जायसवाल
सामरी	-	उधेश्वरी पैकरा
बैकुंठपुर	-	भैयालाल राजवाड़े
सीतापुर	-	रामकुमार टोप्पो
जशपुर	-	रायमुनि भगत
कुनकुरी	-	विष्णुदेव साय
पत्थलगांव	-	गोमती साय
लैलूंगा	-	सुनीती सत्यानंद राठिया
रायगढ़	-	ओपी चौधरी
सारंगढ़	-	शिवकुमारी चौहान
रामपुर	-	ननकीराम कंवर
कटघोरा	-	प्रेमचंद्र पटेल
पाली-तानाखार	-	रामदयाल उईके
कोटा	-	प्रबल प्रताप सिंह जूदेव
लोरमी	-	अरुण साव
मुंगेली	-	पुन्नूलाल मोहले
तखतपुर	-	धर्मजीत सिंह
बिल्हा	-	धरमलाल कौशिक
बिलासपुर	-	अमर अग्रवाल
मस्तूरी	-	कृष्णमूर्ति बांधी
अकलतरा	-	सौरभ सिंह
जांजगीर-चांपा	-	नारायण चंदेल
सक्ती	-	खिलावन साहू
चंद्रपुर	-	संयोगिता सिंह जूदेव
जैजेपुर	-	कृष्णकांत चंद्र
पामगढ़	-	संतोष लहरे
बसना	-	संपत अग्रवाल
महासमुंद	-	योगेश्वर राजू सिन्हा
बिलाईगढ़	-	दिनेश लाल जांगड़े
बलौदाबाजार	-	टंकराम वर्मा
भाटापारा	-	शिवरतन शर्मा
धरसींवा	-	अनुज शर्मा
रायपुर ग्रामीण	-	मोतीलाल साहू
रायपुर पश्चिम	-	राजेश मूणत
रायपुर उत्तर	-	पुरंदर मिश्र
रायपुर दक्षिण	-	बृजमोहन अग्रवाल
आरंग	-	गुरु खुशवंत सिंह
बिंद्रानवागढ़	-	गोवर्धन राम मांझी
कुरुद	-	अजय चंद्राकर
धमतरी	-	रंजना दीपेंद्र साहू
संजारी-बालोद	-	राकेश यादव
गुंडरदेही	-	वीरेंद्र कुमार साहू

दुर्ग ग्रामीण	-	ललित चंद्राकर
दुर्ग शहर	-	गजेंद्र यादव
भिलाई नगर	-	प्रेमप्रकाश पांडे
वैशाली नगर	-	रिकेश सेन
अहिवारा	-	डोमन लाल कोरसेवाड़ा
साजा	-	ईश्वर साहू
नवागढ़	-	दयालदास बघेल
कवर्धा	-	विजय शर्मा
डोंगरगढ़	-	विनोद खांडेकर
राजनांदगांव	-	डॉ. रमन सिंह
डोंगरगांव	-	भरतलाल वर्मा
अंतागढ़	-	विक्रम उसेंडी
भानुप्रतापपुर	-	गौतम उईके
केशकाल	-	नीलकंठ टेकाम
कोंडागांव	-	लता उसेंडी
नारायणपुर	-	केदार कश्यप
जगदलपुर	-	किरणदेव सिंह
चित्रकोट	-	विनायक गोयल
दंतेवाड़ा	-	चेतराम अरामी
बीजापुर	-	महेश गागड़ा
कोंटा	-	सोयम मुका

उच्चतम स्वास्थ्य व्यवस्था के साथ यहां मिलता है पारिवारिक वातावरण - श्री मेडिशाइन हॉस्पिटल

श्री मेडिशाइन हॉस्पिटल रायपुर में स्थित मध्य भारत के सर्वश्रेष्ठ मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों में से एक है, जिसकी स्थापना डॉ. सुशील शर्मा और डॉ. राजेश जैन ने की थी, इस संस्थान की कल्पना भारत में चिकित्सा देखभाल के उच्चतम मानकों को लाने के उद्देश्य से की गई है। नैदानिक अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण. श्री मेडिशाइन अस्पताल देखभाल, करुणा और प्रतिबद्धता के साथ रोगियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के मार्गदर्शक सिद्धांतों के तहत संचालित होता है। बता दे की इनका मोटिव ऐसे वातावरण में व्यापक सेवाएं प्रदान करना जहां नवाचार और शिक्षण देखभाल का अभिन्न अंग हैय जहां हमें मरीजों और एक-दूसरे की सेवा करने पर गर्व हैय जहां जटिल चिकित्सा आवश्यकताओं की चुनौती को पूरा करना एक निर्णायक योग्यता के रूप में देखा जाता हैय और जहां देखभाल की गुणवत्ता और सुरक्षा स्थिर है।

श्री मेडिशाइन हेल्थ केयर एंड रिसर्च सेंटर में, पूरे शरीर की जांच एक व्यापक स्वास्थ्य जांच पैकेज है जो शरीर के सभी अंगों और प्रणालियों जैसे हृदय, फेफड़े, गुर्दे, यकृत, स्तन, आंखें, ईएनटी और के समग्र मूल्यांकन में मदद करता है। दंत चिकित्सा, आदि। सर्वोत्तम उपचार और परामर्श सेवाओं के लिए श्री मेडिशाइन अस्पताल में शीर्ष विशेषज्ञों और सर्जनों से परामर्श करने के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक करें। बस हमसे संपर्क करें और अपनी नियुक्ति निर्धारित करें। श्री मेडिशाइन हेल्थ केयर एंड

रिसर्च सेंटर किसी भी प्रकार के उपचार के लिए त्वरित प्रतिक्रिया के साथ उन्नत आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने के लिए जाना जाता है। हमारे पास अंतरराष्ट्रीय मानकों की सुविधाओं से सुसज्जित आपातकालीन और ट्रॉमा सेंटर है।

श्री मेडिशाइन में विशेषज्ञों के पास उत्कृष्टता के चार केंद्र हैं जो एक अच्छी तरह से एकीकृत और व्यापक सूचना प्रणाली के साथ चिकित्सा बुद्धिजीवियों, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे प्रदान करेंगे। श्री मेडिशिन हेल्थ केयर एंड रिसर्च सेंटर अपनी अत्याधुनिक आपातकालीन सेवाओं के लिए प्रसिद्ध है, जो किसी भी प्रकार के उपचार पर त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान करता है। हमारे आपातकालीन और ट्रॉमा सेंटर में अंतरराष्ट्रीय मानक सुविधाएं हैं और यह पूरी तरह सुसज्जित है। श्री मेडिशाइन में उत्कृष्टता के चार केंद्र हैं जो एक अच्छी तरह से एकीकृत और व्यापक सूचना प्रणाली के साथ चिकित्सा बुद्धिजीवियों, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे प्रदान करना इनका मोटिव है।

तंत्रिका - विज्ञान

न्यूरोलॉजी और मस्तिष्क विशेषज्ञ विभाग के पास एक विशेष सिरदर्द क्लिनिक, मिर्गी क्लिनिक और मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक है। विभाग में एक संपूर्ण न्यूरो लैब भी होगी जिसमें ईईजी, ईएमजी, एनसीवी, एसएसईपी, बीईआरए और पॉलीसोमोग्राफी शामिल है।

SPECIALIST

श्री मेडिशाइन हॉस्पिटल रायपुर

डॉ. राजेश जैन
(एमएस, एमसीएच, एफएचयू (जापान) रायपुर में न्यूरोसर्जन)

डॉ. आशु जैन
(रायपुर में एमएस, एमसीएच न्यूरोसर्जन)

डॉ. अभिजीत कुमार कोहाट
(एमडी, डीएम)

रायपुर के शीर्ष न्यूरोसर्जन हर मरीज के लिए उपलब्ध हैं

रायपुर में सर्वश्रेष्ठ न्यूरोसर्जन से परामर्श लेना चाहते हैं, तो आपको श्री मेडिशिन अस्पताल रायपुर जाना चाहिए, जहां आपको रीढ़ और मस्तिष्क की सर्जरी में विशेषज्ञता वाले अत्यधिक कुशल न्यूरोसर्जन मिलेंगे।

क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ मस्तिष्क सर्जनों में से एक, हमारे डॉक्टरों के पास अल्जाइमर रोग, मनोभ्रंश, मस्तिष्क कैंसर, मानसिक विकार आदि सहित मस्तिष्क की विभिन्न स्थितियों का इलाज करने का व्यापक अनुभव है। वे अपने रोगियों के इलाज में मदद करने के लिए उन्नत शल्य चिकित्सा तकनीकों और प्रक्रियाओं का उपयोग करते हैं। सर्वोत्तम स्तर पर जिसकी आवश्यकता हो सकती है।

रायपुर सीजी में मस्तिष्क विशेषज्ञ

न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के अलावा, डॉ. राजेश जैन एक मस्तिष्क विशेषज्ञ हैं, जिन्हें ब्रेन ट्यूमर, एन्यूरिज्म और मस्तिष्क को प्रभावित करने वाली अन्य स्थितियों के इलाज में विशेषज्ञता हासिल है। वह समझते हैं कि प्रत्येक रोगी की स्थिति अद्वितीय होती है और प्रत्येक रोगी के लिए एक अनुकूलित योजना विकसित करने के लिए नवीनतम तकनीक और अनुसंधान का उपयोग करके उपचार के लिए एक व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाते हैं।

जब मस्तिष्क से संबंधित स्थितियों के निदान, उपचार और प्रबंधन की बात आती है तो रायपुर में एक न्यूरोसर्जन की विशेषज्ञता अमूल्य है। ये अत्यधिक कुशल पेशेवर सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण, शल्य चिकित्सा तकनीक और व्यक्तिगत उपचार योजनाओं का उपयोग करते हैं। एक योग्य न्यूरोसर्जन का चयन करके, व्यक्ति अपना स्वास्थ्य पुनः प्राप्त कर सकते हैं और पुनर्प्राप्ति की राह पर चल सकते हैं।

रायपुर में न्यूरोसर्जन मस्तिष्क विकारों वाले व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने विशेष प्रशिक्षण, विशेषज्ञता और उन्नत सर्जिकल तकनीकों के माध्यम से, वे प्रभावी उपचार प्रदान करते हैं, कार्यक्षमता बहाल करते हैं और रोगियों और उनके परिवारों को आशा प्रदान करते हैं। श्री मेडिशाइन अस्पताल ने नवीनतम डायलिसिस मशीनध्मॉनिटर और वेंटिलेटर से सुसज्जित डायलिसिस यूनिट के लिए 8 बेड समर्पित किए हैं। भविष्य में हमारा अस्पताल ट्रांसप्लांट सेंटर शुरू करने की योजना बना रहा है।

डायलिसिस सेवाओं के लिए श्री मेडिशिन अस्पताल क्यों चुनें?

हमारी डायलिसिस यूनिट में नेफ्रोलॉजिस्ट, नर्सों और तकनीशियनों की एक अत्यधिक कुशल और अनुभवी टीम है, जो विशेष रूप से डायलिसिस प्रक्रियाओं में प्रशिक्षित हैं। वे कुशल और दयालु देखभाल प्रदान करने के लिए मिलकर काम करते हैं, जिससे आपका डायलिसिस अनुभव यथासंभव आरामदायक हो जाता है।

हमने उन्नत उपचार प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक डायलिसिस उपकरण और प्रौद्योगिकी में निवेश किया है। सटीक और कुशल डायलिसिस सत्र सुनिश्चित करने के लिए हमारी डायलिसिस मशीनों का नियमित रूप से रखरखाव और कैलिब्रेशन किया जाता है। हम संक्रमण नियंत्रण के उच्चतम मानकों का पालन करते हैं और एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए सख्त प्रोटोकॉल का पालन करते हैं।

सहायक वातावरण के साथ वैयक्तिकृत देखभाल

श्री मेडिशिन मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में, हम समझते हैं कि प्रत्येक रोगी की विशिष्ट जरूरतें होती हैं। हम रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हैं और आपकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने डायलिसिस उपचारों को तैयार करते हैं। हमारी टीम एक व्यक्तिगत उपचार योजना बनाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करती है जो डायलिसिस के लाभों को अधिकतम करती है और आपके समग्र स्वास्थ्य में सुधार करती है।

हम अपने मरीजों के लिए गर्मजोशी भरा और सहयोगात्मक वातावरण बनाने का प्रयास करते हैं। हमारे दयालु स्टाफ सदस्य आपकी डायलिसिस यात्रा के दौरान भावनात्मक समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। हम खुले संचार को प्रोत्साहित करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि हमारी डायलिसिस यूनिट में आने के दौरान आप सहज महसूस करें और आपकी देखभाल की जाए।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में नहीं दिखेंगे जेठालाल

‘तारक मेहता का उल्टा चश्मा’ पिछले 14 सालों से फैंस का मनोरंजन कर रहा है. ऐसे बिजी शेड्यूल के बीच एक्टर्स को मुश्किल से ही ब्रेक मिल पाता है और इस बार जेठालाल यानी दिलीप जोशी ने अपने शेड्यूल से एक छोटा ब्रेक लिया है. दरअसल हर तरफ बातें चल रही हैं कि वो शो छोड़ने वाले हैं यै नहीं, तो इस बारे में एक खास जानकारी सामने आई है कि आखिर इसके पीछे का असली कारण क्या है. एक्टर के एक करीबी सूत्र ने ‘ईटाइम्स’ के साथ शेयर किया कि,‘दिलीप जोशी ने अपने शो से ब्रेक ले लिया है और फिलहाल वो अपने परिवार के साथ तंजानिया की एक छोटी धार्मिक यात्रा पर हैं.’

एक्टर स्वामीनारायण मंदिर में होने वाले एक खास अवसर के लिए दारेसलाम में हैं. जैसा कि फैंस को पता है, Dilip Joshi सोशल मीडिया के इतने शौकीन नहीं हैं, इसलिए उन्होंने अभी तक अपनी यात्रा से कोई तस्वीर पोस्ट नहीं की है. लेकिन दिलीप की आखिरी पोस्ट फिर भी उनकी धार्मिक यात्राओं के बारे में काफी कुछ बताती है.

स्वामीनारायण के लिए दिलीप जोशी की पोस्ट

स्वामीनारायण के बीएपीएस समुदाय द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है जो संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में होगा. समुदाय जल्द ही शहर में एक विशाल स्वामीनारायण मंदिर को बनाने जा रहा है. दिलीप ने लिखा, ’जय स्वामीनारायण ऐसे जरूरी और खुशी के अवसर के लिए हार्दिक निमंत्रण !’

शो में कैसे दिखाया जाएगा जेठालाल का ट्रैक?

वीडियो में, दिलीप ने यह भी बताया कि वह धार्मिक मौकों के दौरान अबू धाबी भी जाएंगे. श्तारक मेहता का उल्टा चश्माश के ट्रैक के बारे में बात करें तो गोकुलधाम वासियों ने आखिरकार गणेश चतुर्थी समारोह शुरू कर दिया है और बप्पा का स्वागत किया है. जेठालाल ने खुलासा किया कि वह इस बार गणेशोत्सव का हिस्सा नहीं बन पाएंगे. बप्पा का स्वागत करने और पहली आरती करने के बाद वह इंदौर के लिए रवाना हो जाएंगे क्योंकि उनके पास एक इनविटेशन है. यह सीन कुछ दिनों के लिए जेठालाल के शो से बाहर जाने के बारे में है क्योंकि वह शूटिंग से ब्रेक ले रहे हैं.

ORGALIFE®

Eat Organic, Stay Healthy

CERTIFIED ORGANIC PRODUCTS

Range of 100% Natural & Eco Friendly Products

More Then 100+ Organic Grocery Products

Scan & Shop Now

Add.: Magneto Mall, Basement infront of Smart Bazar, Raipur (C.G.)
E-kart Shop at Spree Walks, Marine Drive, Telibandha, Raipur (C.G.)

ORGALIFE®

Organic Store On Wheel

START YOUR OWN BUSINESS WITH MINIMUM INVESTMENT

LOW INVESTMENT
HIGH
MARGIN

- Low investment.
- Zero Royalty.
- Product Support.
- High-Profit Margin.
- Easy to Work Model.
- Setup in Minimum Cost.
- Moisture control & Vacuum packaging.
- Organic cultivation standards have been adhered by our farmers.
- Software Oriented Billing & Inventory System.
- Inventory Support.
- Advertisement Support.
- Get Online Orders Through Our Website.

Connect on

For More Info Please Call: +91- 97551 36336 www.orgalife.in care@orgalife.in

Follow us on